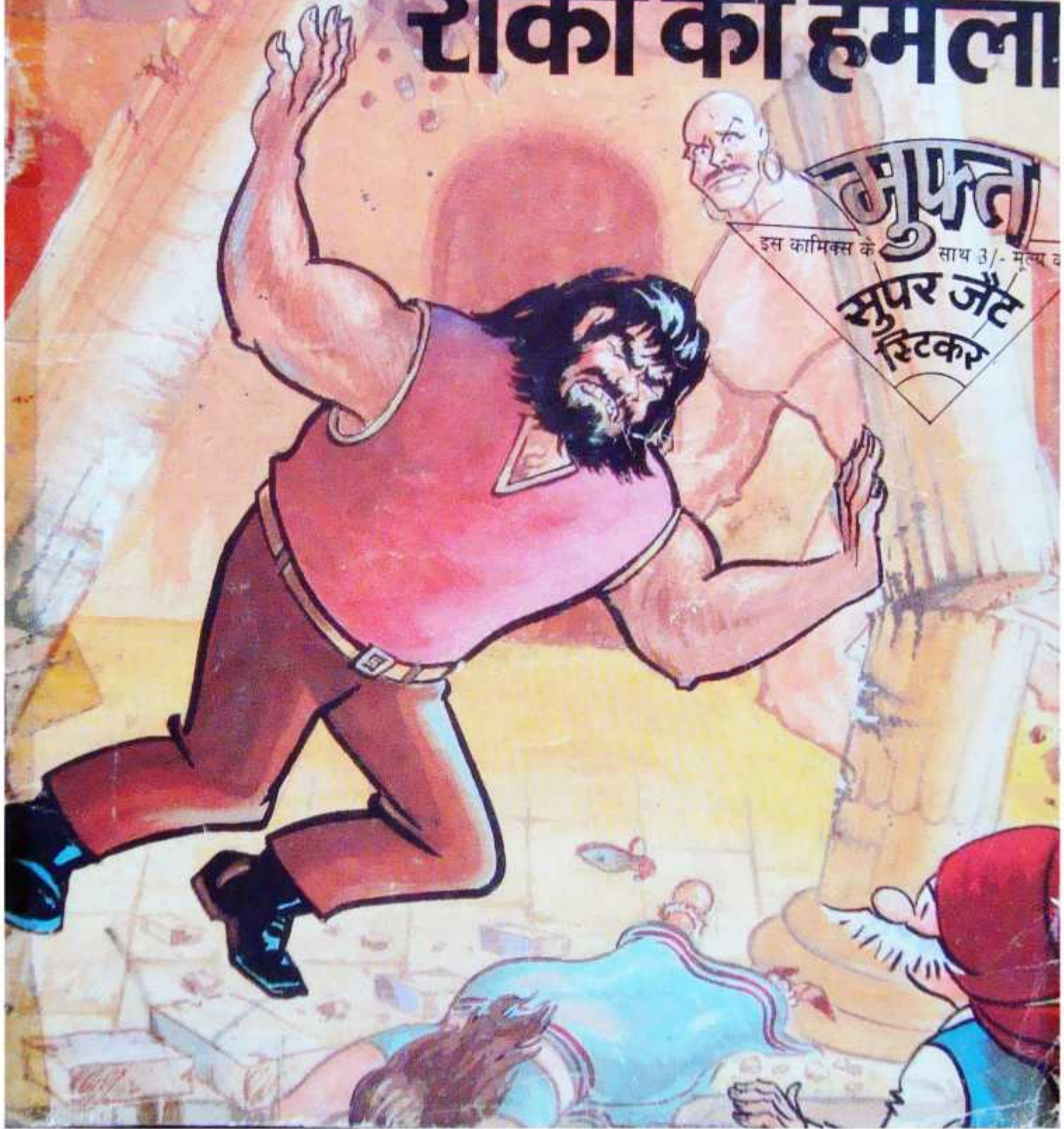




डायमण्ड  
कॉमिक्स

D-600 8.00

# पता चाचा चौधरी राका का हमला



**मुफ्त**  
इस कॉमिक्स के साथ 3/- मूल्य के  
**सुपर जेट**  
हिटकर



यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विभिन्न रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नामक छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है. विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालियर आकर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली से शुरू हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरे भारत में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिपत्य को समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को लेकर स्थानीय विषयों और समस्याओं पर कॉमिक्स

### कार्टूनिस्ट प्राण

बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को लेकर 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित हो रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिकी', सारे भारत में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम दिया.

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनाई गई कॉमिक्स 'रमन - हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 1982 वर्ष का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और मंहगाई के बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूँ तो अपने मकसद को सफल समझूंगा".

— प्रकाशक



TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.





# सवाल बच्चों



# के भविष्य का ....



जीवन बीमा का कोई विकल्प नहीं  
**भारतीय जीवन बीमा निगम**



मैं ऊपर जाकर देखता हूँ.



मैं पाचा (मनहस) देता हूँ. अगर तुमने मेरी मांग नहीं मानी तो मैं बच्चे को पहाड़ से नीचे फेंक दूंगा.

मेरा बेटा!



वह बैग खोलता है. करंसी नोट्स देखकर उसकी आंखें चमक उठी हैं.



मुझे अपनी टैक्सी तक जाने के लिए बंदूक चाहिए.

इंस्पेक्टर! बच्चे की जान बचाने के लिए इसके सिवा और कोई चारा नहीं.



रुको! मैं रकम लाया हूँ.



यह लो, बंदूक!



जब तक मैं टैक्सी में बैठ न जाऊँ, कोई मेरे पीछे न आये.



हो! हो!! आखिर किसी के मन में तो बच्चे के लिए प्यार उमड़ा.



इस बैग में एक लाख रुपये भरे हैं.



अपने बच्चे और बंदूक को संभालो! मैं जा रहा हूँ.

और वह डाक फरार हो गया.



स्क जगह.

सर! फिल्म का सीन है- आस-मान में हेलीकॉप्टर पर क्लिप और हीरो की लड़ाई होती है. करंसी नोटों का बैग खुल जाता है और अपमान में सारे नोट बिखर जाते हैं.

डायरेक्टर



इस सीन की शूटिंग के लिए मैंने चाचा चौधरी को नकली नोट लाने को कहा था. वह आ गया है.

डायरेक्टर



दोस्त! अफसोस है, आज की शूटिंग तुम्हें रोकनी पड़ेगी. मैंने वह नकली नोट स्क सरफिरे को दे दिए.

सचमुच चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.



तुम्हारे सारे नोटों की खर्दी के दो रुपये चालीस कैसे बनें. बोलो दू?

उस अपहरण में मेरा दो सौ रुपये का टैक्सी में पेट्रोल फुक गया.



उत्तरी ध्रुव में भूगर्भशास्त्र का अध्ययन करने के लिए स्क जहाज ठहरा था.



सर, हमने यहां की भूमि के कुछ नमूने इकट्ठे किये हैं

मुड. इन्हें सुरक्षित रखो. अनुसंधान शाला में इनका परीक्षण करेंगे.



यह बर्फ का टीला अजीब लग रहा है. इसे खोदो.



और टीले की खुदाई शुरू हो गयी.



आह वाह!



यह किसी मानव की आवाज लग रही है. गहना खोदो!



आह वाह

और कुछ देर बाद--



मेरे हाथ बंधे हैं.

इसके बंधन काट दो.



तुम कौन हो? इस जोखिम भरी जगह पर कैसे पहुंचे?

मैं राका हूं--



मैं इस बर्फीले इलाके में कैसे पहुंचा-- आह ह--- मुझे याद आ रहा है---



"यह करतूत चाचा चौधरी और साबू की थी. उन्होंने मेरे हाथ पैर बांध दिए थे--"



और फिर साबू ने मुझे यहाँ लाकर पटक दिया था. मैं सो गया. मेरे ऊपर बर्फ गिरती रही और उसके नीचे मैं दब गया.



मुझे भूख लगी है.

जहाज पर आओ. वहां खाना मिलेगा.



जहाज पर.

बस, सिर्फ एक ब्रेड?



मिस्टर शका! जहाज पर खाना सीमित है और हमें कई दिन की यात्रा करनी है.



मैं सब कुछ सह सकता हूं, मगर भूखा नहीं रह सकता.



अररर! यह क्या करते हो?

अगर मैं तुम सबको समुद्र में फेंक दूं तो सारा खाना मुझे अकेलेको मिल जायेगा.

अहसान मगमोश!



आ-आ ईईईई!



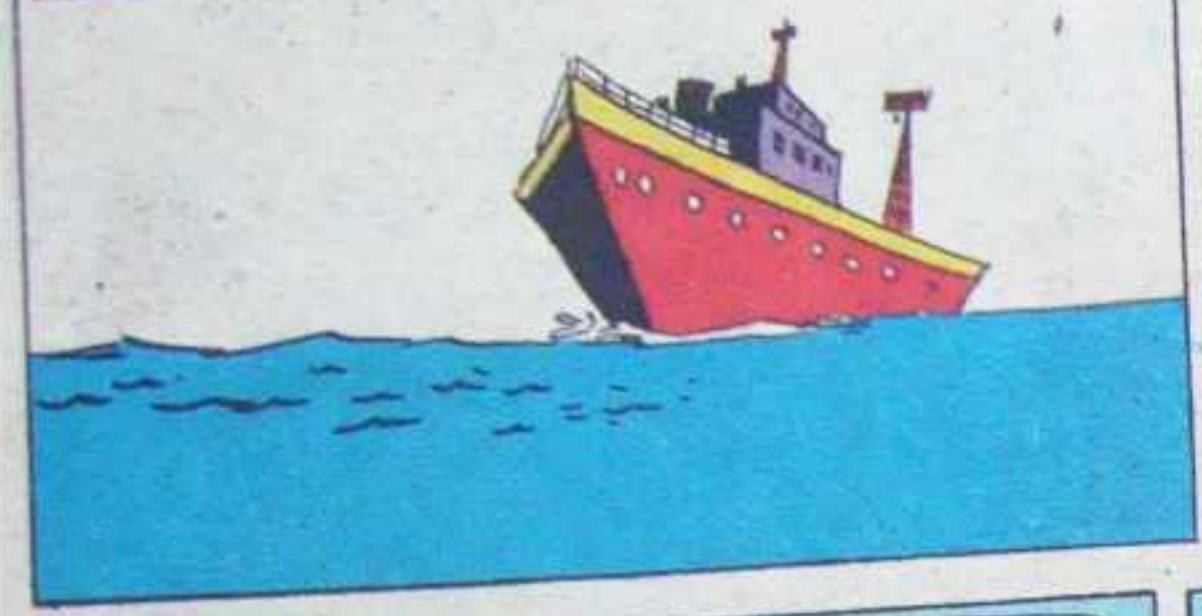
नहीं! हमें बरकश दो!



तुम खुशानसीब हो. जहाज को रशिया की तरफ ले जाने के लिए कोई तो चाहिये.



और जहाज दक्षिण पूर्व को कई दिन तक चलता रहा.



दूर जमीन नजर आ रही है.



लेकिन जाने से पहले राका जहाज में आग लगा गया था.



आहह! यह क्या?



राका! हम रशिया महाद्वीप के दक्षिण में पहुंच गये हैं.

यह अच्छी खबर है.



हां, वह हिन्दुस्तान है, जहां मुझे जाना है.



और कुछ ही क्षणों में जहाज पानी की कब्र में दफन हो गया.

हो!हो!हो!



अच्छा, मैं चला. तैरकर किनारे पहुंच जाऊंगा.

चलो, उस खंखार जंगली से धुंकारा मिला.



इस शहर के लोगों के गृह अच्छे नहीं. क्योंकि मेरा पैर यहाँ पड़ चुका है.



पहले प्यास बुझा लें. कई दिनों से मीठा पानी पीने को नहीं मिला.



लायब्रेरी

बचाओ!

भागो!

मुसीबत आ गयी!

आह ह!

चूहो! मैं तुम सबको मार डालूंगा.

बचाओ!





साबू ने लकड़ी का एक तराता उठाया.



राका ने अपने भाले से वार किया.



साबू ने उसे दबोच लिया.

यह लो रूसा. इस राक्षस के हाथ पैर बांध दो. जब तक यह आजाद रहेगा, दूसरों के लिए मुसीबत बनी रहेगा.



आहह! मैं उसे रोकने में कामयाब हुआ.



राका ने पूरी शक्ति से भाले को खींचने की कोशिश की -

ऊहहह!

राका तुम फंस गये!



मुझे छोड़ दो! मुझे छोड़ दो!



मुझे कहां ले जा रहे हो?



साबू ने पुरजोर सक् भटका दिया और राका लुढ़कता नजर आया.

आऊऊऊ!



जाओ!

धूपाककक!



राका गहरे समुद्र में गोते खाने लगा.



चलो लोगों के सिर से एक भय उतरा.

सिर्फ कुछ समय के लिए.

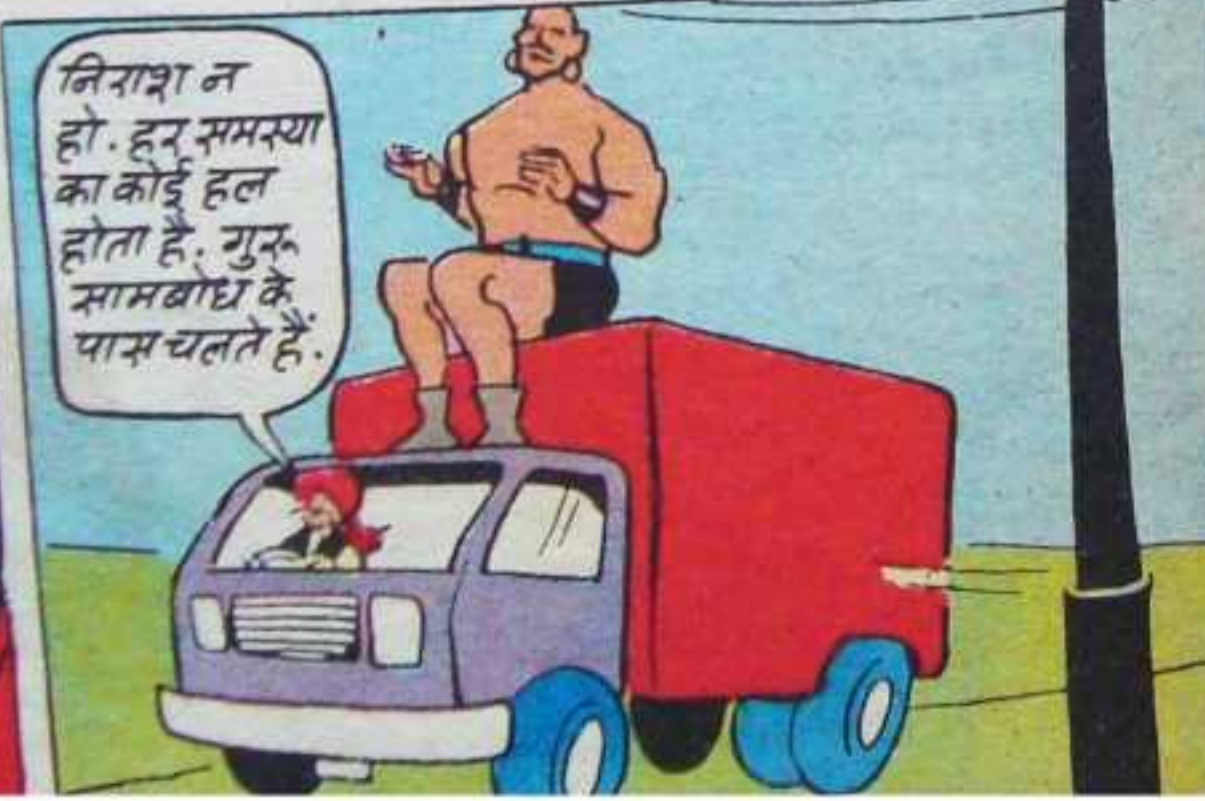
क्या मतलब?



साबू! राका मर नहीं सकता. क्योंकि उसने वैद्यराज चक्रभाचार्य की अद्भुत औषधि पी रखी है. बंधन खुलते ही वह पानी से बाहर आ जायेगा.



इसका अर्थ हुआ कि राका के अत्याचारों को समाप्त करने का कोई हल नहीं?



निराशा न हो. हर समस्या का कोई हल होता है. गुरु सामबाध के पास चलते हैं.



चाचा चौधरी के घर पर.

परवर्धन! चाचा चौधरी अक्सर घर से बाहर रहता है. अगर चोर आ जाये तो अकेली औरत क्या कर सकती है.



करमचंद! इस घर में चोरी? नामुमकिन.



एक बार चोर ने देखा कि चाची नहाने गयी है. वह किचिन की खिड़की से अंदर घुस गया. तभी लोगों ने देखा कि चोर दर्द से चीखता हुआ बाहर भाग रहा है.



वह कैसे?

चोर के हाथ रसोई में रखे गम के तवे पर पड़ गये थे.



हा! हा!!

जिस चोर ने अपनी दुर्गति करानी हो, वह चाचा चौधरी के घर में घुसे.



टोपन! चाची घर खाली छोड़कर बाहर जा रही है. चोरी करने का यह अच्छा मौका है.

और वह कुत्ता - राकेट?



उसको मैं यह हड्डी देकर खामोश कर दूंगा.

रबोटन! राकेट शाकाहारी है.



उसका भी इलाज है.

लो, यह ब्रेड खाओ!



बापरे!

भागो!

बाऊ! वाऊ!



कुछ देर बाद चाची लौटती है.

बहन! जमीन पर ब्रेड पड़ी है. तुम्हारा राकेट उसे खा नहीं रहा?

कुछ देर पहले मैंने उसे खड़ी खिलाई थी. सूखी ब्रेड खाकर वह अपना जायका खराब नहीं करना चाहता.



गुरु सामबोध घने जंगल में रहते हैं और कभी शहर की तरफ नहीं आते.



क्या उन्हें जंगली जानवरों से डर नहीं लगता?

आदमी सबसे अधिक खतरनाक प्राणी है.



गुरु सामबोध

आओ, चौधरी! इस बार तुम बहुत दिनों बाद इधर आये.

जब तक जरूरी न हो, उजाड़ जंगल में कौन आना पसंद करेगा.



थक गये होगे! लो, पेय पीयो.



मैंने ऐसा पेय पहले कभी नहीं पीया.

यह शहद और जड़ी बूटियों से बना है. यह फुर्ती और शक्तिदायक है.



अब बताओ, कैसे आना हुआ?



एक बुरे आदमी ने उत्पात मचा रखा है. हम उसे ऐसी जगह बंद करना चाहते हैं जहां से वह निकल न सके.



पुरातन काल में भी राक्षस उत्पात मचाते थे, और ऋषिमुनियों के यज्ञ में विघ्न डालते थे. तब सबको तकलीफ होती थी. मैं तुम्हारी मदद करूंगा.



यह जंगल अभी सभ्यता से वंचित है, इसलिए यहां ऐसे पेड़ हैं जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी.



इस वृक्ष का तना खोखला है. तुम उस राक्षस को इसमें बंद कर दो.



कहीं राका बाहर ना आ जायें?



यह पेड़ जितना जमीन के ऊपर है, उससे दो गुना जमीन के नीचे. जो कोई इसके अन्दर गिरेगा, वह जमीन में गहरा दबा रहेगा.



किलहाल राका को समुद्र की गहराइयां तपने दो. जब कभी वह ऊपर आया तो उसे इस पेड़ के तने में धकेल देंगे.



तब तक यह दुनिया सुरक्षित है.



कुछ दिनों तक राका समुद्र में गोते खाता रहा. उसके पेट में खारा समुद्र का पानी भर गया. लेकिन वह मरा नहीं. क्योंकि उसने अमर करने वाली चमत्कारी दवाई पी थी.



सक बार उसने पुरजेप ताकत लगाई और उसका हाथ बंधन से मुक्त हो गया.



फिर वह तैरकर ऊपर की ओर आने लगा.



भागो! समुद्री राक्षस!



अब्दुल दर्जी

क्यों मियां? क्या तकलीफ है? क्यों आंखें फाड़ रहे हो?

मुझे अपने लिए नये कपड़े सिलाने हैं.



अब्दुल टेलर मास्टर के यहां यह काम नहीं होगा. किसी टैन्ट बनाने वाली फैक्ट्री में जाओ.



क्या कहा? मुझे न सुनने की आदत नहीं.

अरर! अमां मुझे धोड़ो. मेरी पसलियां कड़क रही हैं.







अचम्भा! तुम्हें इतना पावरफुल बिजली का करंट लगा, फिर भी तुम जिन्दा हो?



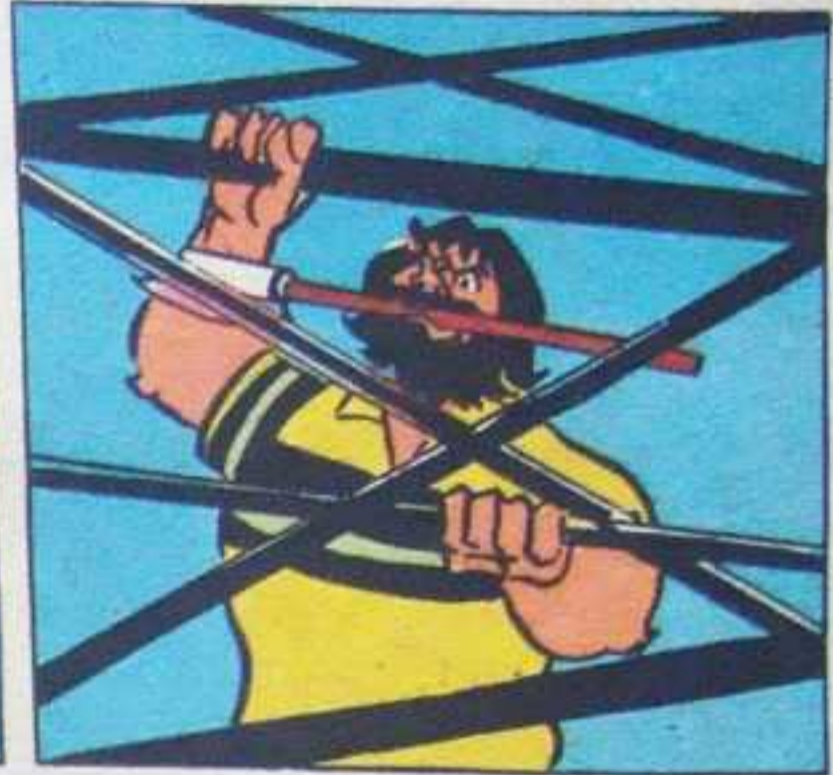
यह तुम्हारी असावधानी की वजह से हुआ. तुम्हें सजा मिलनी चाहिए.



मैं सारे शहर की बिजली गुल कर दूंगा.



जो तारे शहर को बिजली सप्लाई कर रही थीं उन तक पहुंचने के लिए राका ऊपर चढ़ने लगा.



और राका के भरपूर हाथ से तारे कच्चे धागे की तरह कटने लगीं.



सारा शहर अंधकार में डूब गया.

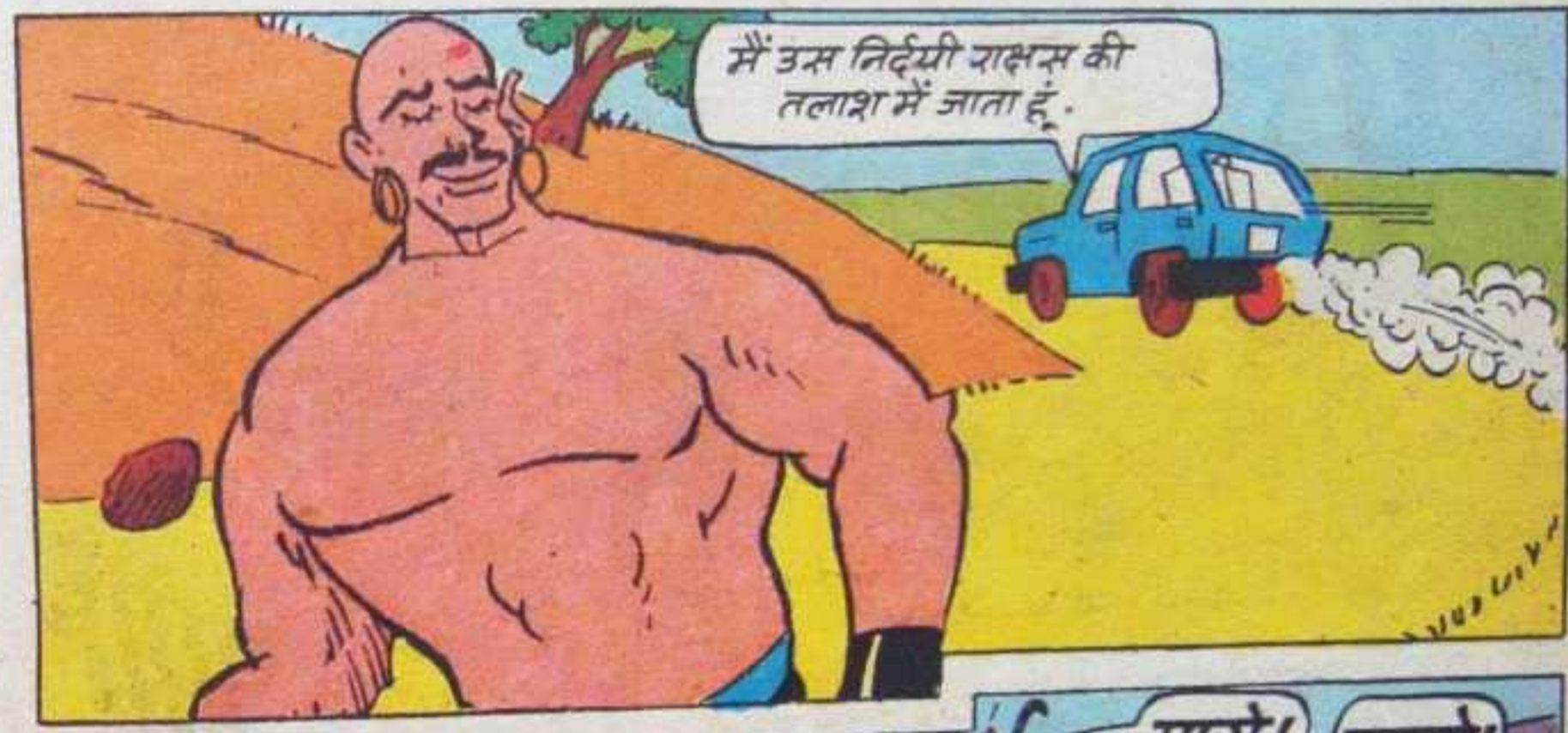
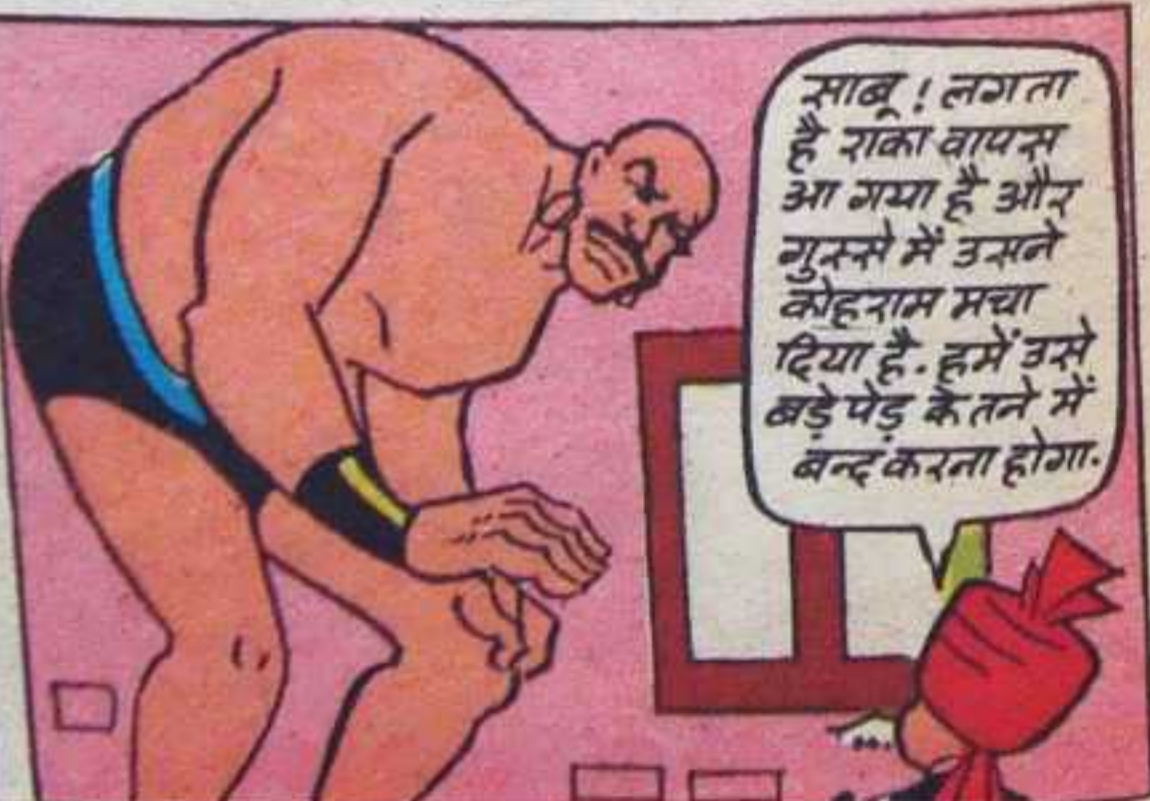
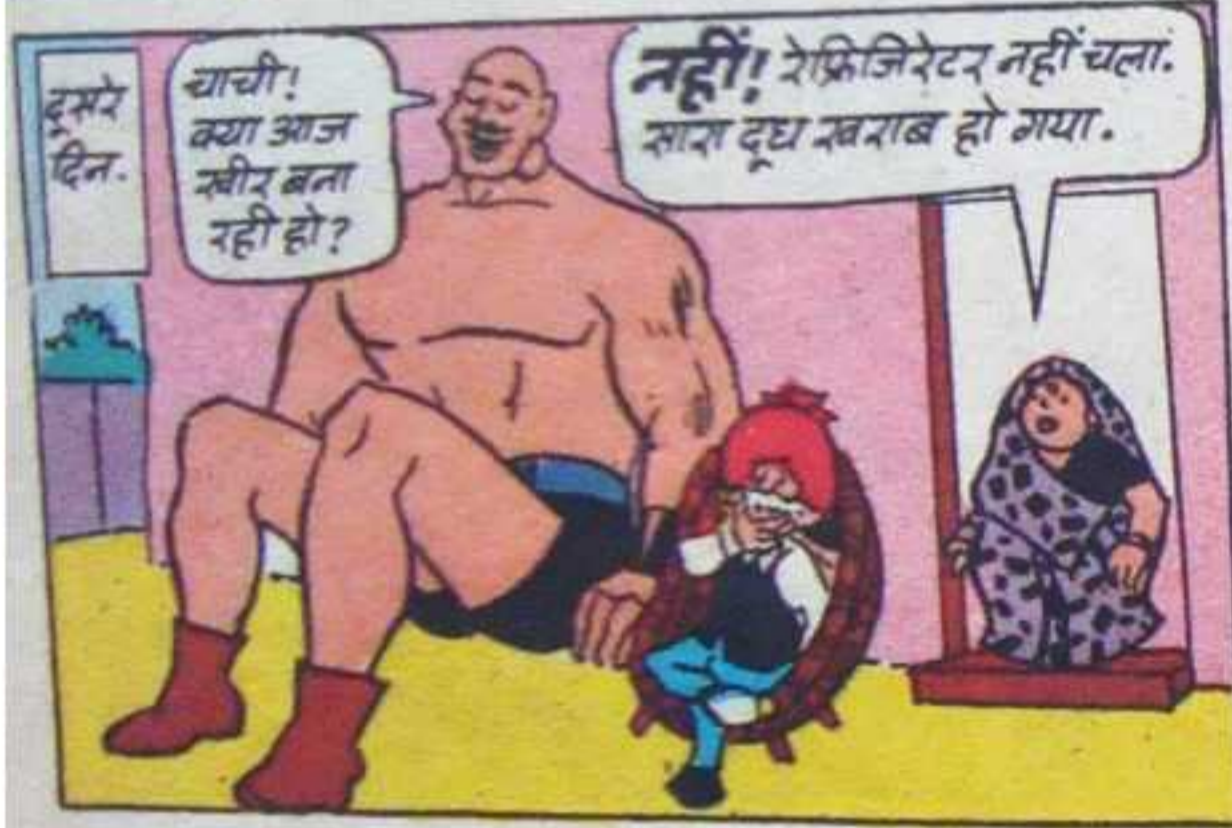
ओह! यह क्या?

बिजली चली गयी.

परीक्षारं नजदीक हैं. मैं चढ़ूंगा कैसे?

मरीज का ऑपरेशन कैसे होगा?

अस्पताल





पुलिस सुपरिंटेंडेंट चाचा चौधरी को मिला.

उसने शहर के बिजली के सिस्टम को तहस नहस कर दिया है. कई पशु करंट लगने से मर गये हैं. उसे पकड़ना एक समस्या बन गया है.

कृपया मुझे उससे निपटने दीजिए.



चाचा चौधरी एक बड़ा पैकेट लाया.



राका! बिजली के खम्बों की तोड़फोड़ बन्द करो!

चाचा चौधरी? चूहे! जितनी पीड़ा तुमने मुझे दी है उतनी किसी ने नहीं दी. मैं तेरे टुकड़े करने आ रहा हूँ.



तुम्हारे जूते पुराने और घिस गये हैं. मेरी तरफ से नये बूटों का उपहार स्वीकार करो. फिर चाहे मुझे मार डालना.



सचमुच मुझे अब अपने पुराने जूते बदल देने चाहिए. चौधरी! मुझे नये बूट पहनाओ.



नये बूट में राका ने पैर डाला.



आआइइइ!

वह दर्द से कराह उठा.



उसने नया बूट उतारकर फेंका तो अंदर से दर्जनों तेज नुकीले कील निकले जिन्होंने राका का पैर जखमी कर दिया था.



चूहे! मैं तुम्हारे टुकड़े करके चीलों को डाल दूंगा.

अगर तुम मुझे पकड़ पाए तब.

वह लंगड़ा रहा है. तेज भाग नहीं सकेगा.



गाड़ मस!

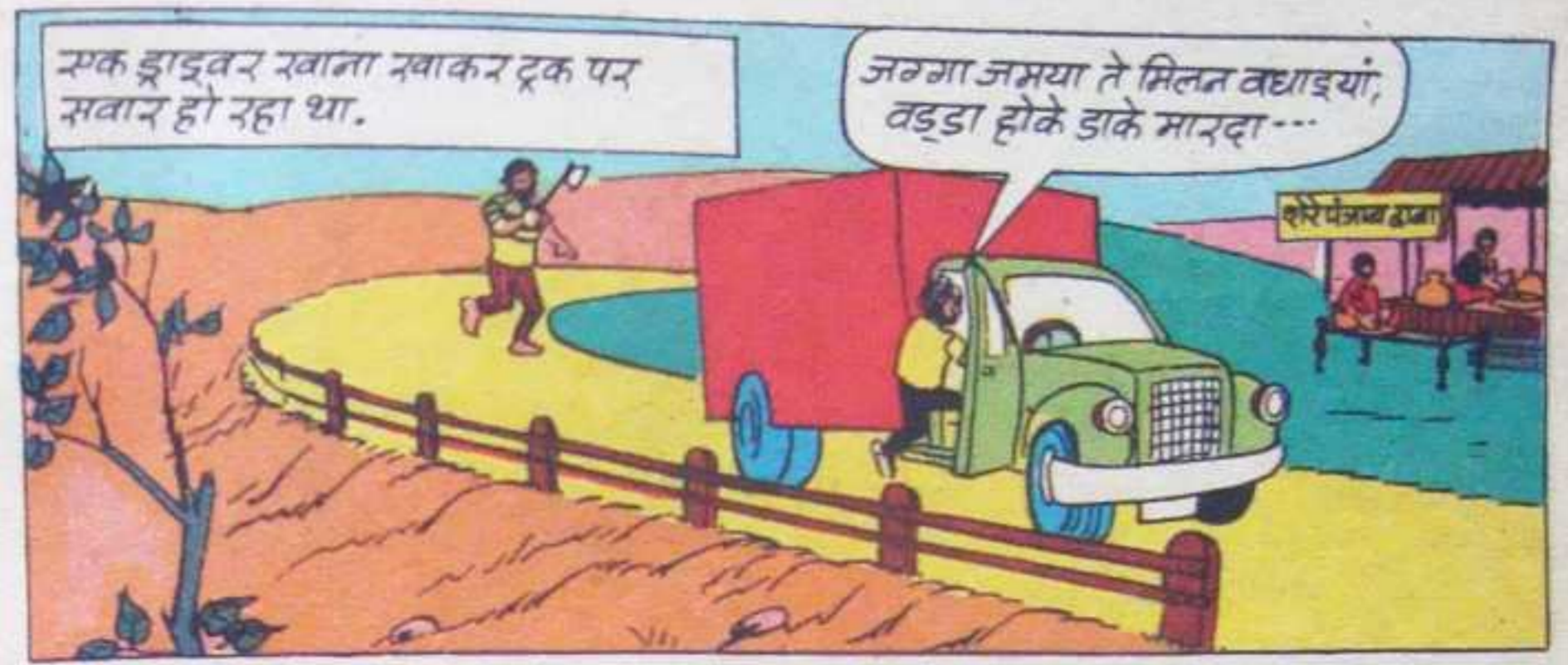
शुक्र है, कार स्टार्ट हो गयी.



भागती कार पर राकाने भरपूर हाथ मारा.



गुरुसे में आदमी विवेक खो बैठा है. वह मेरे पीछे आ रहा है. योजना कामयाब हो रही है.



एक ड्राइवर खाना खाकर ट्रक पर सवार हो रहा था.

जबगा जमया ते मिलन वधाइयां, वड्डा होके डाके मारदा---



अगर तुम अपनी जान की खैरियत चाहते हो तो जैसा कहा जाये वैसा करो.

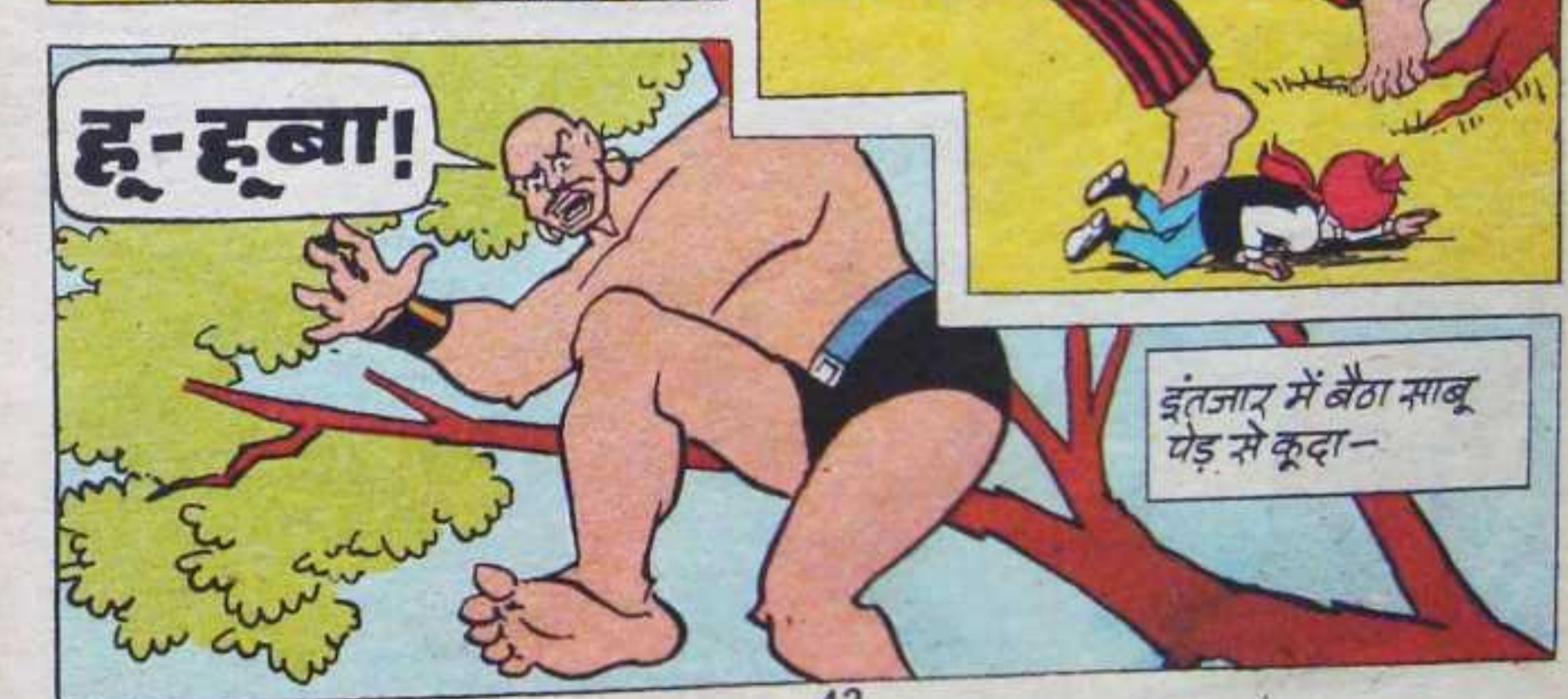
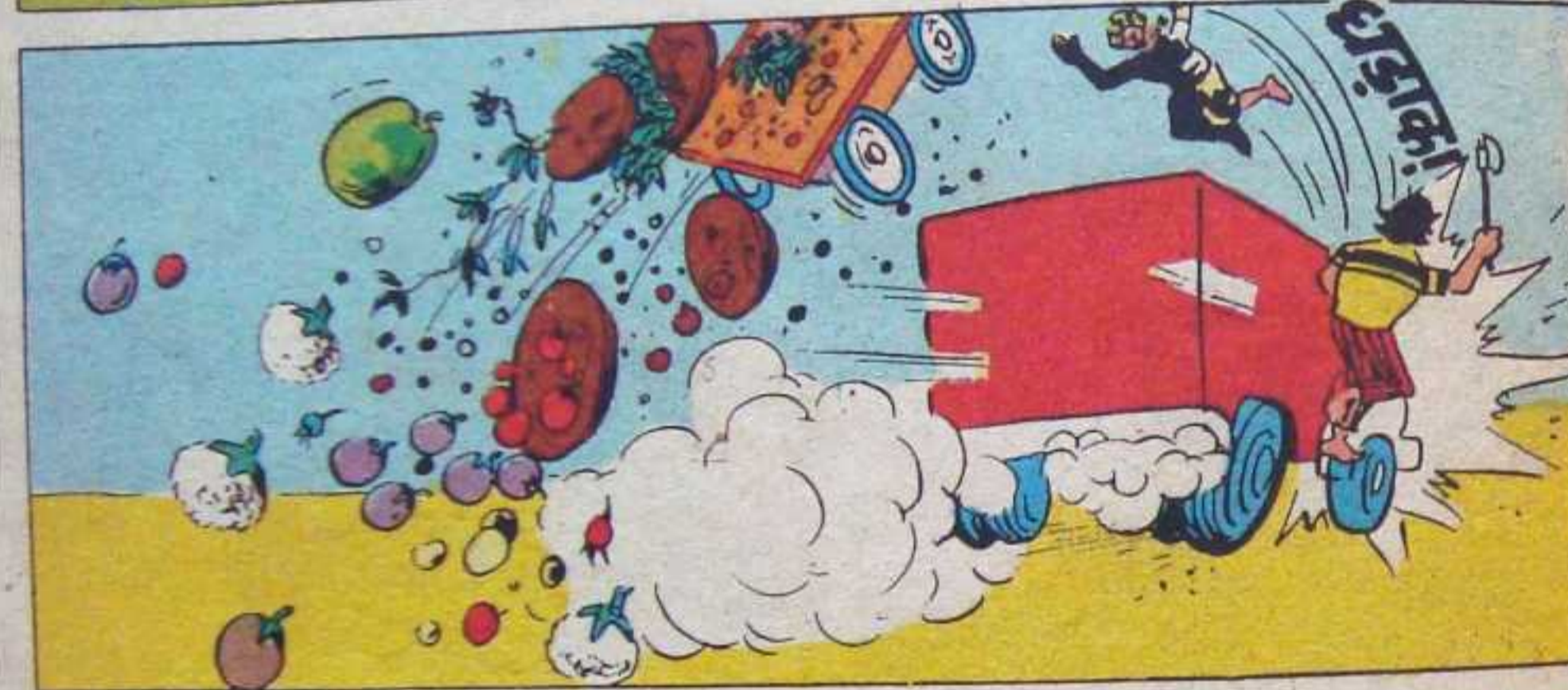
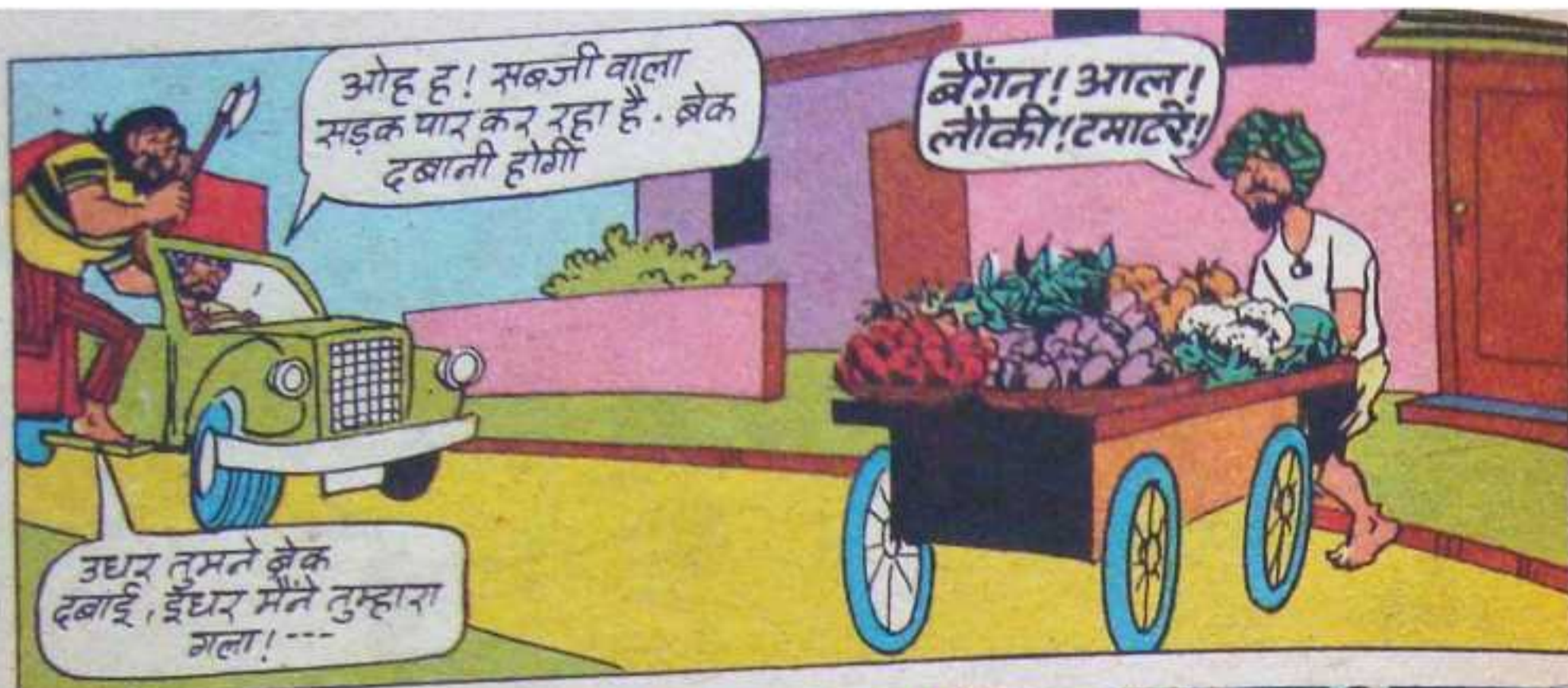


उस भागती हुई कार का पीछा करो! उसमें मेरा दुश्मन है.



ट्रक की स्पीड बढ़ाओ! तेज! और तेज!!

जब तक मेरा कुलहाड़ा उसको चीरफाड़ न दे तब तक मुझे चैत नहीं मिलेगा.





राका ने बिजली की चमक की तरह कुल्हाड़ा चलाया. साबू फुर्ती से एक तरफ हट गया.

यह बहुत तेजी से वार करता है



इससे पहले कि वह सम्भल पाता, राका ने साबू की जीभ जैसी फुर्ती से दोबारा वार किया.

भावव! खजराह



जब साबू को गुस्सा आता है तो दूर कहीं ज्वालामुखी फटता है



फिर तीसरा वार इस बार तेज कुल्हाड़ा साबू के चेहरे को जरूरी करता हुआ पेंड में गढ़ गया.



तीव्र पीड़ा ने साबू के गुस्से की आग पर घी डाल दिया.



धड़क! आऊऊऊ!



साबू! इस जंगली खूंखार जानवर को इस बड़े बोरे में डालो!



साबू ने जब राका को फेंका तो वह गुरु-सामंन्वोध द्वारा बनाये गये मजबूत बोरे में चला गया.







**नववर्ष का उपहार**



# डायमण्ड वीडियो कॉमिक्स

डायमण्ड कॉमिक्स वीडियो कैसेट में



**एक्शन-थ्रिल-जादू और रोमांच से भरपूर हर माह 60 मिनट का पूरा वीडियो सिनेमा जिसे आप नियमित अपने टी.वी. स्क्रीन पर देख सकेंगे।**

**सम्पर्क करें :**

डायमण्ड वीडियो विज़न, K-45, जंगपुरा एक्सप्रेसवे, नई दिल्ली-110 014  
 Marketed by:  
 VANDANA VIDEO VISION 28/36, Old Rajinder Nagar, New Delhi.  
 Sole Advertisement Rights :  
 UMANG AUDIO VOICE ADVERTISERS (P) LTD.,  
 Old Rajinder Nagar, New Delhi.



Presented by [@sdch\\_club](#)

Join us on telegram

[t.me/comics\\_hindi](https://t.me/comics_hindi)

[t.me/raj\\_comics\\_unofficial](https://t.me/raj_comics_unofficial)

[t.me/tvseries\\_4u](https://t.me/tvseries_4u)

[t.me/video\\_short](https://t.me/video_short)

[t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU](https://t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU)

[t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkd8puJ1QKrw](https://t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkd8puJ1QKrw)